LIST OF PRECAUTIONS

मोबाइल लैब को उपयोग करने के लिए हमे निम्न तथ्यों का ध्यान करना होता है

- आपको यह देखना होगा की डिस्टिल्ल वाटर की रीडिंग 0.250 से 0.350 के बीच में होनी चाहिए

- डिस्टिल्ल वाटर की रीडिंग चेक करने के लिए . मशीन में सबसे पहले ACCURATE ALLL सेलेक्ट करने के लिए 1 दबाते है

- इसके बाद **0** दबाते है .फिर 000 दबाते है

- फिर 5 नंबर का बटन दबाते है फिर टेस्ट सेलेक्ट करते है डिस्टिल्ल वाटर की कुवैट मशीन में डालते है और मशीन का ढक्कन बंद कर देते है

- फिर इसके बाद रीडिंग देख लेते है

- रीजेंट के लिटरेचर के अनुसार वर्किंग रीजेंट तैयार करना चाहिए

-ACCUSTER द्वारा तैयार किये गए कैलिब्रेशन चार्ट के अनुसार कैलिब्रेशन करना चाहिए . और 1X हमेशा रीजेंट किट के लिटरेचर के अनुसार होना चाहिए

- कुवैट हमेशा साफ़ होनी चाहिए .उसकी वाल्स पर स्क्रैच नही होने चाहिए

- रीजेंट किट के लिटरेचर के अनुसार रीजेंट को विभिन्न टेम्प्रेचर पर स्टोर करना चाहिए

- हमेशा रीजेंट की एक्सपायरी चेक करते रहना चाहिए

- कैलिब्रेशन में कलर की वेरिएशन को अच्छी तरह चेक करना चाहिए

- मिक्रोपीपेट को कैलिब्रेट करते रहना चाहिए तथा मिक्रोपीपेट की गुडवत्ता चेक करने के लिए उसे क्रॉस चेक करना चाहिए

-मिक्रोटिप में सैंपल लेने के बाद उसे अच्छी तरह से टिश्यू पेपर से साफ़ करना चाहिए

-क्युवेट को सही दिशा में मशीन के अंदर रखना चाहिए

- एक बार मीक्रोटिप से सैंपल लेने के बाद उसे दोबारा उपयोग में नही लेना चाहिए

- उदहारण के लिए हम अगर एक मिक्रोटिप से ग्लूकोस का रीजेंट लेते है तो उसी मिक्रोटिप से कोलेस्ट्रॉल का रीजेंट नही लेना चाहिए

-लिटरेचर के अनुसार टेस्ट का इन्क्यूबेशन करना चाहिए, तापमान तथा समय का ध्यान रखना चाहिए

- समय समय पर मशीन को कैलिब्रेट करते रहना चाहिए

- रक्त को अच्छी तरह सेंट्रीफ्यूज करना चाहिए जब तक की क्लियर सीरम प्राप्त न हो जाये

- यूजर मैन्युअल के अनुसार काम करना चाहिए

TYPES OF ERROR

- रीजेंट के गलत स्टोरेज के कारण

- एक्सपीरेड रीजेंट उपयोग करने के कारण

-अपूर्ण इन्क्यूबेशन या फिर ज्यादा इन्क्यूबेशन के कारण

- मिक्रोपीपेट से गलत मापन द्वारा

- स्कृतछेद या गन्दी कुवैट उपयोग करने के कारण

- गलत कैलिब्रेशन के कारण

- गलत सेंट्रीफ्यूज के कारण - अगर आपके पास लाइट की सप्लाई नही हे तो

CHECKLIST

DAILY CHECK-

आपको मोबाइल लैब को पूरा चार्ज कर लेना चाहिए

- टेस्ट परफॉर्म करने से पहले इनक्यूबेटर का तापमान चेक करते है इनक्यूबेटर का तापमान ३७ पहुचने के बाद ही सैंपल इनक्यूबेटर में रखने चाहिए

- रोज सुबह डिस्टिल्ल वाटर की रीडिंग चेक करनी चाहिए . डिस्टिल्ल वाटर की रीडिंग 0.250 - 0.350 के बीच में होनी चाहिए और डिस्टिल्ल वाटर की रीडिंग साफ़ कुवैट में लेनी चाहिए

- कुवैट की पारदर्शिता - कुवैट में कोई भी स्क्रैच नही होना चाहिए टेस्ट करने से पहले कुवैट को चेक करना चाहिए

- क्वालिटी कंट्रोल का उपयोग करके मशीन की एक्यूरेसी चेक कर लेनी चाहिए

WEEKLY CHECK

- रीजेंट का स्टोरेज चेक करना चाहिए

- मिक्रोपीपेटते को कैलिब्रेट करना चाहिए

-सप्ताह में मशीन को कैलिब्रेट करते रहना चाहिए

MONTHLY CHECK

- रीजेंट की एक्सपायरी चेक कर लेनी चाहिए

नोट - जब भी आप नया रीजेंट यूज़ करते है आपको उस रीजेंट से पहले मशीन को जरूर कैलिब्रेट करना चाहिए फिर इसके बाद ही आप टेस्ट लगा सकते है .

नोट - Micropipette को चेक करने के लिए हम गोजेबल टिप्स का उपयोग करते है . इस टिप्स में मार्किंग होती है जिससे हमे पता चलता है की हमारी पिपेट सही सैंपल उठा पा रही है या नही